सच्चाई की खबर

गौड़ की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार पत्र

GKA NEWS

पृष्ठ:4 मूल्य: 5 रूपये

वर्ष:5 अंक: 226

सोमवार 15 सितम्बर 2025

Gmail: gaurkiaavaj@gmail.com Website:www.gaurkiaavaj.Com R.N.I.NO:UPHIN/2021/83626

आवश्यकता है

गौड़ की आवाज हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज पोर्टल नेटवर्क को देश के सभी प्रदेशों में तेजतर्रार, अनुभवी तथा निडर ब्यूरो चीफ व उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों के सभी मंडल, जिला, नगर, तहसील और ब्लॉक पर संवाददाताओं की आवश्यकता है इच्छुक लोग सम्पर्क करें सम्पर्क सूत्र – 9161640328.9005087003.

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षाबलों और माओवादी के बीच मुठभेड़, दो माओवादियों के शव बरामद

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों ने सघन सर्च ऑपरेशन चलाया है। जिसमें रुक–रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में अब तक दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ ही मौके से थ्री नॉट थ्री बंदूक सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं भी जब्त की गई हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार माओवादी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई शुरू की थी। ऑपरेशन की शुरुआत आज सुबह हुई और अब तक मुठभेड़ स्थल पर तैनात जवानों ने व्यापक कार्रवाई जारी है। पुलिस के मुताबिक सुरक्षा बलों ने फिलहाल मुठभेड़ स्थल का स्थान, ऑपरेशन में शामिल जवानों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया है ताकि अभियान में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रशासन ने यह भी बताया कि ऑपरेशन के समाप्त होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।

हिसार से जयपुर के लिए पहली फ्लाइट उड़ी, सीएम सैनी ने हरी झंडी दिखाई

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से शुक्रवार को जयपुर के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्चुअली हिसार–जयपुर फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ कमल गुप्ता भी पहुंचे। उन्होंने सांसद जय प्रकाश पर निशाना साधा। गुप्ता ने कहा सांसद को हिसार हवाई अड्डे से पता नहीं क्यों परेशानी है। उन्होंने कहा कि जहाज में ज्यादा से ज्यादा लोग यात्रा करें। पहले दिन 35 पैसेंजर ने जयपुर के लिए टिकट बुक करवाई है। यात्री सोमेश कुमार ने कहा कि यह फ्लाइट उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि मुंबई के लिए भी फ्लाइट शुरू होनी चाहिए। हिसार से विमान हर शुक्रवार शाम 5.35 बजे उड़ान भरकर करीब एक घंटे बाद शाम 6.40 बजे जयपुर पहुंचेगा। इस उड़ान का किराया टैक्स सहित लगभग 2300 रुपए होगा, जबकि सीट बुकिंग का चार्ज अलग से लिया जाएगा। इससे पहले हिसार से दिल्ली, अयोध्या और चंडीगढ़ के लिए भी उड़ान सेवाएं शुरू हो चुकी हैं।

नई ऊंचाई पर पहुंचे सोना और चांदी, सराफा बाजार में अफरा–तफरी

एजेंसी

कानपुर। सोने और चांदी के निरंतर बढ़ते दामों के कारण सराफा बाजार में उथल–पुथल मची रही स शुक्रवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,12,800 रुपए का 10 ग्राम तो चांदी 1,31,500 रुपए किलो के नए शिखर पर पहुंच गई। बीते 20 अगस्त को सोना 1,01,350 और चांदी 1,14,600 रुपए थी। इसके बाद बढ़त लगातार बनी है। यानि 23 दिन में चांदी लगभग 17 हजार रुपए तो सोने में लगभग 11 हजार रुपए की बढ़ोतरी हुई। अनुमान है दीवाली तक चांदी 1, 40,000 और सोना 1,15,000 तक पहुंच सकता है। आठ महीने में सोने की कीमत में 34,200 और चांदी के दाम में 43,900 रुपए की बढ़ोतरी हुई।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया 'ज्ञान भारतम् पोर्टल', प्राचीन ज्ञान को मिलेगा डिजिटल संरक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ज्ञान भारतम् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध ज्ञान परंपराओं पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने ज्ञान भारतम् पोर्टल का शुभारंभ किया, जो प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया एक डिजिटल मंच है। इस पहल का उद्देश्य भारत के प्राचीन ज्ञान को संरक्षित करना, शोध को प्रोत्साहित करना और दुर्लभ ग्रंथों को विद्वानों व आम जनता के लिए सुलभ बनाना है। पीएम मोदी ने कहा कि यह पोर्टल भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को वैश्विक मंच पर ले जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सकेगी। उन्होंने प्राचीन भारतीय ग्रंथों में निहित वैज्ञानिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक ज्ञान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। 'ढाई साल से जल रहा मणिपुर': पीएम मोदी के मणिपुर दौरे पर टीएमसी का तंज, कहा– अगली बार जनता को... यह पोर्टल शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उत्साही लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगा। इस सम्मेलन में देश–विदेश के विद्वानों ने भाग लिया और भारत की ज्ञान परंपराओं के संरक्षण पर चर्चा की। यह पहल भारत को वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ, बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को देश के 15वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। राधाकृष्णन ने विपक्ष के कैंडिडेट बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर यह पद हासिल किया है। राधाकृष्णन को मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित किया गया। उन्हें 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। बता दें कि यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के बाद आयोजित किया गया था।

राहुल गांधी का बीजेपी पर हमला, वोट चोरी देश का बड़ा मुद्दा, मणिपुर जाना बड़ी बात नहीं

एजेंसी

जूनागढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर लंबे समय से संकट से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस हिंसाग्रस्त राज्य का अब दौरा करना कोई 'बड़ी बात नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'वोट चोरी फिलहाल देश के सामने सबसे प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। गुजरात के जूनागढ़ जिले में केशोद हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि हर जगह लोग 'वोट चोर के नारे लगा रहे हैं। हवाई अड्डे पर दोपहर में उतरने के बाद गांधी जूनागढ़ शहर पहुंचे, जहां उनका गुजरात कांग्रेस की जिला और नगर इकाइयों के अध्यक्षों को संबोधित करने और वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। जब पत्रकारों ने प्रधानमंत्री मोदी की मणिपुर यात्रा पर गांधी की प्रतिक्रिया जाननी चाही, तो कांग्रेस सांसद ने इस अशांत पूर्वोत्तर राज्य के उनके दौरे को ज्यादा महत्व नहीं देने की कोशिश की। गांधी ने कहा, "मणिपुर लंबे समय से संकट से जूझ रहा है और प्रधानमंत्री ने अब वहां जाने का फैसला किया है। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। आज भारत में प्रमुख मुद्दा 'वोट चोरी है। मोदी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करेंगे और चुराचांदपुर तथा राज्य की राजधानी इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। दो साल पहले राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से प्रधानमंत्री का यह पहला मणिपुर दौरा होगा। रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद राहुल गांधी ने कहा, "उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव चुरा लिए। हमने हाल ही में कर्नाटक में यह साबित कर दिया। इसलिए, मुख्य मुद्दा 'वोट चोरी है। हर जगह लोग 'वोट चोर का नारा लगा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में रील और वीडियो बनाने पर होगी सख्त कार्रवाई, हाई सिक्योरिटी के चलते कोर्ट ने लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित अपने मुख्य परिसर में फोटो खींचने, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध लगा दिया है। शीर्ष अदालत ने 10 सितंबर को जारी एक परिपत्र में मीडियाकर्मियों से कहा कि वे साक्षात्कार और समाचारों का सीधा प्रसारण निर्धारित लॉन क्षेत्र से करें, जो कम सुरक्षा वाला क्षेत्र है। परिपत्र में कहा गया, "उच्च सुरक्षा क्षेत्र के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन का उपयोग निषिद्ध है। आधिकारिक उपयोग को छोड़कर, वीडियोग्राफी, रील बनाने और तस्वीरें खींचने के लिए उपयोग किए जाने वाले कैमरा, ट्राइपॉड, सेल्फी–स्टिक आदि जैसे उपकरण उच्च सुरक्षा क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे।" इसमें कहा गया, "किसी अधिवक्ता, वादी, प्रशिक्षु या विधि लिपिक द्वारा उपरोक्त दिशा–निर्देशों का उल्लंघन किए जाने की स्थिति में, संबंधित बार एसोसिएशन या संबंधित राज्य बार काउंसिल अपने नियमों और विनियमों के अनुसार उल्लंघनकर्ता के विरुद्ध उचित कार्रवाई करेगी।'परिपत्र के अनुसार, यदि मीडियाकर्मी दिशा–निर्देशों का उल्लंघन करते हैं तो शीर्ष अदालत के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में उनकी पहुंच एक महीने की अवधि के लिए प्रतिबंधित की जा सकती है। इसमें कहा गया कि कर्मचारियों या रजिस्ट्री की ओर से किसी भी उल्लंघन को "गंभीरता से" लिया जाएगा और अन्य हितधारकों के मामले में, संबंधित विभाग के प्रमुख से अनुरोध किया जाएगा कि वे उल्लंघनकर्ता के खिलाफ अपने नियमों और विनियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। परिपत्र के अनुसार, सुरक्षाकर्मियों को किसी भी व्यक्ति, स्टाफ सदस्य, वकील या अन्य को उच्च सुरक्षा क्षेत्र के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा।

चार्ली किर्क हत्या मामले में एक नया वीडियो जारी, कॉलेज की छत से कूदकर भागता दिखा हमलावर

एजेंसी

नयी दिल्ली। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने चार्ली किर्क हत्या मामले में एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें रूढ़िवादी कार्यकर्ता को गोली लगने के कुछ ही देर बाद एक संदिग्ध घटनास्थल से भागता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में संदिग्ध को गोलीबारी के बाद छत पर भागते, किनारे से नीचे उतरते और फिर यूटा वैली विश्वविद्यालय परिसर के एक जंगली क्षेत्र में प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। एफबीआई ने एक बयान में कहा कि 10 सितंबर को माउंटेन टाइम के अनुसार दोपहर लगभग 12 बजे, वह व्यक्ति एक छत पर चढ़ गया। चार्ली किर्क को गोली मारने के बाद, वह नीचे से कूदकर भाग गया। उसने विश्वविद्यालय के पास एक जंगली इलाके में बंदूक और गोला–बारूद छोड़ दिया। बयान में आगे कहा गया कि छत पर हुई घटना से एकत्र किए गए साक्ष्यों में जूते के निशान, बांह के निशान और हथेली के निशान शामिल हैं। इस मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी होने पर लोग एफबीआई को कॉल कर सकते हैं या वेबसाइट पर जाकर जानकारी दे सकते हैं। वीडियो में संदिग्ध काले रंग की फुल शर्ट, टोपी, चश्मा और बैग पहने हुए दिखाई दे रहा है। संदिग्ध के बारे में अधिक सुराग पाने के लिए अपराध स्थल की डीएनए जांच की गई। यूटा के गवर्नर ने शुक्रवार को एक ब्रीफिंग में कहा कि इंटरनेट पर गलत और झूठी खबरें फैल रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसी बातें आगे न फैलाएं। उन्होंने कहा कि चार्ली ने ठीक कहा कि जब हालात खराब हों, तो हमें फोन नीचे रखकर अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहिए। हमारे दुश्मन चाहते हैं कि हिंसा हो। सदस्य ने चार्ली किर्क की हत्या की निंदा की इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस के पास एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम है। हत्यारे को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को अब तक 200 से ज्यादा सूचनाएं और सुराग मिले हैं और कई पहलुओं पर जांच चल रही है। एफबीआई ने संदिग्ध की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने पर 1 लाख डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। 31 वर्षीय किर्क बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कैंपस कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे, तभी अचानक गोली चली।

दिल्ली-एनसीआर में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली–एनसीआर में सक्रिय एक ड्रग तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में तीन आरोपियों राहुल वाधवा (32), अब्दुल कादिर (29) और नाइजीरियाई नागरिक चिमेजी लाजरस इंडेडिगे उर्फ जूडो उर्फ जूड (35) को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 194 ग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.25 करोड़ रुपये आंकी गई है। उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि छह सितंबर को अपराध शाखा की एनडीआर/आरके पुरम इकाई को गुप्त सूचना मिली कि रोहिणी के सेक्टर 36 में राहुल वाधवा और अब्दुल कादिर कोकीन की डिलीवरी करने वाले हैं। वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बाद इंस्पेक्टर योगेश और विनोद यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने रोहिणी में जाल बिछाया और दोपहर तीन बजे राहुल वाधवा एक कार में पहुंचा और कुछ देर बाद अब्दुल कादिर वहां आया। दोनों के बीच लेन–देन के दौरान टीम ने तुरंत कार्रवाई की और दोनों को हिरासत में ले लिया। तलाशी में अब्दुल कादिर से 54 ग्राम और राहुल वाधवा से 31 ग्राम कोकीन बरामद हुई। इसके बाद, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि कोकीन की आपूर्ति नाइजीरियाई नागरिक चिमेजी लाजरस उर्फ जूडो करता था। 10 सितंबर को क्राइम ब्रांच ने मेहरौली में छापा मारकर जूडो को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 109 ग्राम कोकीन बरामद हुई। जूडो इस गिरोह का मुख्य सरगना था जो दिल्ली, गुरुग्राम, द्वारका, मेरठ, चंडीगढ़ और हल्द्वानी में नशीले पदार्थों की आपूर्ति करता था। अब्दुल कादिर और राहुल वाधवा पूर्व टैक्सी चालक हैं, जिन्हें जूडो ने मोटी रकम का लालच देकर तस्करी में शामिल किया। जूडो जनवरी 2023 में भारत इलाज के लिए आया था, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उसने नशीले पदार्थों का कारोबार शुरू कर दिया। उपायुक्त ने कहा कि पुलिस अब इस गिरोह के अन्य कनेक्शनों और वित्तीय लेन–देन की जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद–शरजील इमाम की जमानत याचिका 19 सितंबर तक टाली, कहा– फाइल देरी से मिली

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उमर खालिद और शरजील इमाम समेत 9 लोगों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 19 सितंबर तक स्थगित कर दी। जस्टिस अरविंद कुमार और एन. वी. अंजारिया की बेंच ने कहा कि उन्हें केस की फाइलें देर से मिलीं, इसलिए फिलहाल सुनवाई आगे बढ़ाई गई है। उमर खालिद और शरजील इमाम समेत कई लोगों पर आरोप है कि वे फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के मास्टरमाइंड थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2 सितंबर को उमर खालिद और शरजील इमाम समेत नौ लोगों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। कोर्ट ने कहा था कि प्रदर्शनों के नाम पर हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

गाजीपुर में लाठीचार्ज को लेकर अखिलेश ने योगी सरकार पर साधा निशाना

कहा–अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा कोई भी क्यों भुगते

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजीपुर जिले के नोनहरा थाने में हुए पुलिस के कथित लाठीचार्ज को लेकर शुक्रवार को योगी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि आपसी और अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा कोई भी क्यों भुगते। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक पर पोस्ट कर कहा, " अब तक उप्र भाजपा सरकार की पुलिस 'हिरासत में मौत' का जो रिकॉर्ड–पर–रिकॉर्ड बना रही थी, अब उसका शिकार सत्ताधारी दल के अपने लोग भी होने शुरू हो गये हैं। अब जब अपने लोग मारे गये तो भाजपाइयों को इतने सालों से मारे जा रहे लोगों का दर्द समझ आया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि हर मृतक किसी भी दल से पहले देश का नागरिक है और एक मानव भी, ऐसी हर मौत के लिए पुलिस की घोर निंदा करनी चाहिए और उससे भी ज़्यादा उन लोगों की जिन्होंने ऐसे कुकृत्यों को बढ़ावा दिया है। अखिलेश ने यह भी कहा कि सवाल ये भी है कि उप्र की पुलिस को भाजपा और उनके संगी–साथियों व अन्य आनुषंगिक संगठनों पर प्रहार करने के पीछे कौन है। आपसी और अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा कोई भी क्यों भुगते। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के नोनहरा थाना में हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत के मामले में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक ने 11 पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इराज राजा ने कहा कि थाना नोनहरा से सम्बंधित प्रकरण में कुल 11 पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई । जिसमें प्रभारी निरीक्षक नोनहरा सहित 01 उप निरीक्षक,01 मुख्य आरक्षी व 03 आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया है। सके अलावा अन्य पुलिसकर्मियों(02 उपनिरीक्षक व 03 आरक्षी) को लाइन हाजिर किया गया है।

इस्तीफे के 53 दिन बाद नजर आए जगदीप धनखड़ पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने पद से इस्तीफा देने के बाद शुक्रवार को पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई दिए। धनखड़ राष्ट्रपति भवन में सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने आए थे। वह इस कार्यक्रम में सपत्नीक पधारे और उनको अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ अग्रिम पंक्ति में बैठाया गया। उनके साथ उपराष्ट्रपति पद को सुशोभित कर चुके वैंकेया नायडू, हामिद अंसारी भी बैठे नजर आए। धनखड़ के समारोह में पहुंचने पर गृहमंत्री अमित शाह से उनकी भेंट हुई और शाह ने उनका अभिवादन किया। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भी धनखड़ से भेंट करके उनकी कुशल क्षेम पूछी। जब राधाकृष्णन, शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो धनखड़ ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। दोनों नेताओं में कुछ क्षण के लिए आपस में बातचीत की। गौरतलब है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों के आधार पर अपने पद से 22 जुलाई को त्यागपत्र दे दिया था। उसके बाद से करीब डेढ़ महीने से अधिक की अवधि में वह किसी भी कार्यक्रम में नहीं दिखे। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने प्रश्न भी उठाए थे।

सम्पादकीय

लाठीतंत्र में बदलता लोकतंत्र

विपक्ष की तरफ से लगातार मोदी सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने और विरोध की आवाज को दबाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इस समय देश के कम से कम पांच राज्यों की घटनाएं इन आरोपों को बल दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ गुरुवार को वाराणसी के दौरे पर थे, लेकिन इससे पहले उत्तरप्रदेश में जगह–जगह कांग्रेस नेताओं को नजरबंद करने की खबरें आईं। उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को भी लखनऊ में नजरबंद कर लिया। जबकि श्री राय ने 11.30 बजे प्रदेश कार्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई थी। वह कान्फ्रेंस को संबोधित करने के लिए घर से निकलते इससे पहले ही पुलिस ने दस्तक दी। इसके बाद उन्हें घर से नहीं निकलने दिया गया। इसका वीडियो उन्होंने डाला है। इधर नजरबंदी का ऐसा ही खेल जम्मू–कश्मीर में हुआ। जब आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए आप सांसद संजय सिंह पहुंचे तो उन्हें भी गेस्ट हाउस में ही नजरबंद किया गया। हद तो तब हो गई जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के मुखिया फारुख अब्दुल्ला संजय सिंह से मिलने पहुंचे तो उन्हें भी गेस्ट हाउस के दरवाजे पर ही पुलिस ने रोक दिया। संजय सिंह ने इस अघोषित तानाशाही के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए बंद दरवाजे की रेलिंग पर चढ़कर फारुख अब्दुल्ला से बात की। इस मौके का वीडियो भी सोशल मीडिया पर है, जिसमें संजय सिंह पुलिस वालों से पूछ रहे हैं कि मैं सांसद हू और वो पूर्व मुख्यमंत्री है, हमें मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा। जाहिर है केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर की पुलिस के पास इसका कोई जवाब नहीं है। फारुख अब्दुल्ला ने भी कहा है कि इस राज्य में पहले ही कई मुसीबतें आई हुई हैं। पहले पहलगाम आतंकी हमला, फिर बाढ़ और अब इस तरह के अलोकतांत्रिक काम, इन सबसे राज्य के लोगों की तकलीफें बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि आप के विधायक मेहराज मलिक पर आतंकियों का महिमामंडन करने, अफवाहें फैलाने और डोडा के डीसी को अपशब्द कहने, सरकारी अस्पताल के काम में बाधा डालने और महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल जैसे कई आरोप लगाकर 8 सितंबर को जनसुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार कर कठुआ जेल भेजा गया है। जिसका जनता व्यापक पैमाने पर विरोध कर रही है। एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को ही लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बता कर गिरफ्तार करने का यह विचित्र उदाहरण है। प्रशासन ने डोडा, भद्रवाह, गंडोह और ठाठरी समेत संवेदनशील इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस लाउडस्पीकर से ऐलान कर रही है कि लोग घरों में ही रहें। यानी अघोषित कर्फ्यू के हालात है, और इसमें विपक्ष को सवाल करने भी नहीं दिया जा रहा। इधर लद्दाख में भी पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार 10 सितंबर से एक और अनशन शुरू किया है, क्योंकि उनकी मांगों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले दो महीने से कोई बैठक नहीं बुलाई है। वांगचुक ने कहा, शलद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर केंद्र सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए वह अपना प्रदर्शन तेज करने को मजबूर हो रहे हैं। पिछले काउंसिल चुनाव में भाजपा ने लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने का वादा किया था। लेकिन ये अब तक पूरा नहीं हुआ है। वादाखिलाफी पर ऐसा ही गुस्सा असम में भी नजर आ रहा है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने से जुड़े वादों को पूरा न करने को लेकर असम के दो प्रमुख जातीय समुदायों– मोरान और कोच राजबोंगशी ने तिनसुकिया और धुबरी जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन किए हैं। प्रदर्शनकारियों ने तालाप, काकोपाथर, मार्गेरिटा और तिनसुकिया शहर की सड़कों पर मार्च निकाला और अनुसूचित जनजाति का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत स्वायत्तता की मांग की। उनका आरोप है कि ये वादे सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में किए थे, लेकिन कभी पूरे नहीं हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि अगर 2026 के चुनावों से पहले हमारी मांगों को फिर से नजरअंदाज किया गया तो हम और भी आक्रामक और निरंतर आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। 15 सितंबर से राज्यव्यापी आर्थिक नाकेबंदी शुरू करने की चेतावनी भी दी गई है। वहीं ऑल कोच राजबंशी स्टूडेंट्स यूनियन ने धुबरी जिले के अंतर्गत गोलकगंज क्षेत्र में एक बड़े विरोध मार्च का आयोजन किया, जिसमें सीआरपीएफ के सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया तो महिलाओं और छात्र नेताओं सहित 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हो गए और हालात तनावपूर्ण बने हैं। वहीं पटना में भी लगातार सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ रही है। सरकार नए वादे तो कर रही है, लेकिन पुराने फैसलों पर अमल नहीं हो रहा। हाल ही में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में संविदाकर्मियों की सेवा समाप्त कर दी गई है। अपनी नौकरी बहाली और बकाया वेतन की मांग को लेकर संविदाकर्मी पिछले एक महीने से गर्दनीबाग धरना स्थल पर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन बुधवार को जब लगभग 9000 भू सर्वेक्षण कर्मियों ने अपनी नौकरी और बकाया वेतन की मांग को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन पर लाठियां चलाईं। अलग–अलग राज्यों की ये तमाम घटनाएं बता रही हैं कि देश में लोकतंत्र की जगह लाठीतंत्र हावी करने की कोशिश हो रही है। हालांकि मनमानी और दमन की इस लाठी को जितना तेल पिलाया जा रहा है, उतना अधिक जनता में आक्रोश बढ़ रहा है। मीडिया इस आक्रोश को भले न दिखाए, सरकार को इसकी अनदेखी भारी पड़ेगी।

भारतीय दिल खतरे में, एक गंभीर चुनौती की टंकार

ललित गर्ग

आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली–जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है–दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021–23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहाँ तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है। नमूना पंजीयन सर्वेक्षण के नए आंकड़े विशेषकर दिल के प्रति सजग रहने की वकालत करते हैं। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। यदि हम यहां पर भारत में मोटापे की राष्ट्रीय स्थिति की बात करें तो भारत में मोटापे की औसत दर लगभग 40.3 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं में यह दर 41.88 प्रतिशत और पुरुषों में 38.67 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में यह दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। आंकड़े बताते है कि पुडुचेरी, चंडीगढ़, और दिल्ली जैसे राज्यों में मोटापे की दर उच्चतम है। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। सर्वेक्षण में यह पता चला है कि 30 से अधिक उम्र वाले लोगों में मौत की सबसे बड़ी वजह यही है। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित क्षेत्रों में करीब 88 लाख लोगों पर किए गए इस सर्वेक्षण से यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि भारत में मौत की वजह क्या है और किस बीमारी से कितनी जान जा रही है? एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2021 में कोविड–19 महामारी के कारण मृत्यु दर में वृद्धि हुई। हालांकि, 2022 और 2023 में स्थिति में सुधार देखा गया, लेकिन महामारी के प्रभाव से उत्पन्न स्वास्थ्य संकटों का असर अभी भी महसूस किया जा रहा है। दिल की बीमारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को केवल चिकित्सा या आनुवंशिक कारणों से नहीं समझा जा सकता। इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक और जीवनशैली संबंधी कारण हैं। आज का युवा वर्ग फास्ट फूड, जंक फूड और प्रोसेस्ड भोजन पर अधिक निर्भर है। इसमें उच्च मात्रा में तेल, नमक और चीनी होती है, जो हृदय की धमनियों को अवरुद्ध कर देती है। पारंपरिक संतुलित आहार जिसमें दाल, सब्जियां, अनाज और फल शामिल थे, अब जीवन से गायब होते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की दौड़–भाग, नौकरी और कैरियर की अनिश्चितता, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ युवाओं को लगातार मानसिक तनाव में रखती हैं। तनाव से हार्मोनल असंतुलन होता है और यह हृदय की धड़कन तथा रक्तचाप को प्रभावित करता है। धूम्रपान, शराब और अन्य नशे की वस्तुएँ दिल की बीमारी के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। धूम्रपान से रक्त नलिकाएँ सिकुड़ जाती हैं और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यही स्थिति शराब और ड्रग्स से भी उत्पन्न होती है। शहरी जीवनशैली ने युवाओं को गतिहीन बना दिया है। दिनभर दफ्तर या कंप्यूटर पर बैठकर काम करने से शारीरिक गतिविधियाँ नगण्य हो जाती हैं। मोटापा, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज इसी निष्क्रिय जीवनशैली की उपज हैं और ये तीनों मिलकर दिल की बीमारी का बड़ा खतरा पैदा करते हैं। महानगरों की हवा में जहरीले कणों की बढ़ती मात्रा भी दिल की धड़कन और श्वसन तंत्र को प्रभावित करती है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि प्रदूषण से हृदयाघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जिन परिवारों में पहले से दिल की बीमारियाँ रही हैं, उनमें यह जोखिम अधिक रहता है। लेकिन पहले केवल यही एक बड़ा कारण माना जाता था, जबकि अब जीवनशैली के कारक अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। दिल की बीमारियाँ केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की समस्या नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम हैं। जब कोई 30 या 40 वर्ष का युवा अचानक दिल का शिकार होकर मर जाता है तो उसके परिवार की आर्थिक रीढ़ टूट जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में जहाँ युवाओं को सबसे बड़ी पूंजी और शक्ति माना जाता है, वहाँ उनका इस प्रकार बीमार होना राष्ट्र के भविष्य को भी खतरे में डालता है। दिल की बीमारियों से बचाव संभव है, यदि समाज और व्यक्ति दोनों ही स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएँ। भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें और कम वसा वाला भोजन शामिल किया जाए। नमक, चीनी और तैलीय भोजन का सेवन सीमित किया जाए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, प्राणायाम और हल्की कसरत को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। ध्यान, मेडिटेशन और समय प्रबंधन की आदतें तनाव को कम कर सकती हैं। धूम्रपान, शराब और अन्य नशों से दूर रहना हृदय को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी कुंजी है। ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय–समय पर जांच से बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लग सकता है। सरकार, सामाजिक संस्थाएँ और चिकित्सा जगत को मिलकर दिल की बीमारियों के प्रति जनजागरण अभियान चलाना चाहिए। दिल की बीमारी आज 'साइलेंट किलर' बन चुकी है। यह अचानक प्रकट होकर जीवन को समाप्त कर देती है। लेकिन यह पूरी तरह अनियंत्रित नहीं है। यदि हम अपने जीवन में अनुशासन, संतुलन और संयम को स्थान दें, तो हृदय रोग से बड़ी हद तक बचा जा सकता है। कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021–23 की रिपोर्ट केवल एक चेतावनी है कि अब समय आ गया है जब समाज और व्यक्ति दोनों को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा। यह केवल चिकित्सकों या अस्पतालों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है कि वह अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए सजग और सतर्क रहे। दिल की धड़कनें जीवन का संगीत हैं, इन्हें समय से पहले मौन होने से बचाना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य–स्थितियां नई–नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती हैं। इसलिये चिकित्सा–स्थितियों के साथ–साथ स्वास्थ्य–स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य–क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करे, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे।

क्या भारत में भी बन सकते हैं नेपाल जैसे हालात? स्थितियाँ क्या इशारे कर रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और वहाँ बार–बार बदलती सरकारों को आधार बनाकर भारत के विपक्षी नेता यह कह रहे हैं कि "भारत में भी ऐसे हालात हो सकते हैं।" पहली नज़र में यह बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी लगता है, लेकिन गहराई से देखें तो इसके गंभीर निहितार्थ हैं। यह न केवल देश की जनता को असमंजस में डालने की कोशिश है बल्कि अराजकता को हवा देने का भी प्रयास है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन जब विपक्ष यह कहे कि भारत भी नेपाल जैसी अस्थिरता की ओर बढ़ रहा है, तो वह परोक्ष रूप से जनता को संदेश देता है कि सड़कों पर उतरकर हिंसा और तोड़फोड़ ही बदलाव का रास्ता है। इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है– बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है। देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मकसद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर। विपक्षी नेताओं को यह समझना होगा कि नेपाल और भारत की परिस्थितियों में ज़मीन–आसमान का फ़र्क है। भारत में संस्थाएँ सुदृढ़ हैं और जनता का विश्वास स्थिरता व विकास में है। नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा। लोकतंत्र की असली ताकत जनता का विश्वास और संवैधानिक प्रक्रिया में आस्था है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि भारत में परिवर्तन की राह हिंसा या अराजकता से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक माध्यमों से ही निकलेगी। इसके अलावा, "नेपाल जैसा आंदोलन" भारत में दोहराया जा सकता है या नहीं, इसका विश्लेषण कुछ बिंदुओं में करना ज़रूरी है। सबसे पहले नेपाल के संदर्भ को देखें तो वहां 2006 का जनआंदोलन (लोकतांत्रिक आंदोलन) राजशाही को समाप्त करके गणतंत्र लाने का कारण बना। उसके पीछे कुछ खास परिस्थितियाँ थीं। जैसे– लंबे समय से चली आ रही राजशाही और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का टकराव देखने को मिल रहा था। माओवादी विद्रोह और सशस्त्र संघर्ष से दबाव उपजा हुआ था। राजनीतिक दलों और जनता का राजशाही के खिलाफ व्यापक एकजुट होना भी एक कारण था। वहीं भारत की परिस्थितियाँ नेपाल से बिल्कुल अलग हैं। भारत 1947 से ही एक लोकतांत्रिक गणराज्य है; यहाँ राजशाही जैसी व्यवस्था का अवशेष नहीं है। भारत का संविधान अत्यंत मज़बूत है और इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को स्पष्ट सुरक्षा प्राप्त है। साथ ही भारत का राजनीतिक परिदृश्य बहुदलीय है, यहां विभिन्न विचारधाराओं को मंच मिलता है, जिससे असंतोष विद्रोह में बदलने से पहले ही संस्थागत रास्ता खोज लेता है। इसके अलावा, भारतीय सेना और सुरक्षा तंत्र राजनीतिक रूप से तटस्थ है, जबकि नेपाल में राजशाही का सीधा प्रभाव सेना पर था। देखा जाये तो संवैधानिक संकट या राजशाही विरोध जैसा आंदोलन भारत में संभव नहीं है क्योंकि यहाँ राजशाही या निरंकुश शासन की गुंजाइश ही नहीं है। जनता के बड़े आंदोलन (जैसे 1975–77 का आपातकाल विरोध, 2011 का अन्ना हज़ारे आंदोलन, किसान आंदोलन आदि) भारत में हुए हैं और आगे भी हो सकते हैं। लेकिन ये आंदोलन संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हैं और सत्ता–परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया यानि चुनाव से ही होता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संघीय ढांचा किसी एक समूह या विचारधारा को पूरे देश पर "क्रांतिकारी" ढंग से हावी होने नहीं देता। देखा जाये तो भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे जीवंत और विविध लोकतंत्रों में से एक है। यहाँ असहमति और विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक परंपरा का स्वाभाविक हिस्सा रहे हैं। पिछले पाँच दशकों में कई ऐसे आंदोलन हुए जिन्होंने देश की राजनीति की दिशा बदल दी, लेकिन महत्वपूर्ण यह रहा कि ये बदलाव लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संपन्न हुए। यही वह अंतर है जो भारत को पड़ोसी देशों की उथल–पुथल से अलग करता है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया, जिसमें नागरिक स्वतंत्रताएँ सीमित कर दी गईं। प्रेस सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और राजनीतिक दमन ने जनता में गुस्सा भर दिया। दो साल बाद जब चुनाव हुए तो जनता ने इंदिरा गांधी की सरकार को सिरे से नकार दिया। आपातकाल का विरोध साबित करता है कि भारत में जनता अंततः लोकतंत्र की बहाली और सत्ता परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अन्ना हज़ारे का जनांदोलन युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग का प्रतीक बन गया। लाखों लोग सड़कों पर उतरे और जनलोकपाल की मांग गूँजने लगी। इस आंदोलन ने दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से हटा दिया और केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ भी नाराजगी पैदा की। इसके परिणामस्वरूप आम आदमी पार्टी जैसी नई राजनीतिक शक्ति का उदय हुआ। इस तरह से सत्ता में बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के ज़रिए हुआ। वहीं तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का लंबे समय तक चला आंदोलन भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का उदाहरण है। लाखों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, लेकिन आंदोलन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही चला। अंततः सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह घटना बताती है कि भारत में जनता शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से सरकार की नीतियों को बदलने की ताक़त रखती है। इन तीनों उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत में आंदोलन सत्ता को हिला सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यह सब संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा के भीतर होता है। न तो नेपाल जैसी राजशाही उखाड़ने की स्थिति बनी, न ही सैन्य हस्तक्षेप की। भारत की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती है और यही भारत के राजनीतिक ताने–बाने की सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतंत्र की यही खूबी है कि यहाँ असहमति बग़ावत नहीं बनती, बल्कि बदलाव का वैधानिक मार्ग प्रशस्त करती है।

राशिफल

मेष :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

वृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बनें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बनें। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीन:– कुछ व्यावसायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन व्यर्थ के कायरें में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन व्यर्थ के कायरें में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

एंटीबायोटिक दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वतरू ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है। वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं।

करोड़ों दिलों में राज करती हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

हिंदी करोड़ दिलों में बसी हुई भाषा है। इसके अलावा विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है किंतु आज पर्यंत तक हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का सर्वोच्च सम्मान अभी भी अपेक्षित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा भी है षराष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है। हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं और थे, जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा षहिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया। यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल में पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार–प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस में निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए।

समाजसेवियों की पहल, बेसहारा बच्चों को मिला सहारा, रोहिणी पटेल भी पहुंची पीड़ित के घर

चांदा गौड़ की आवाज विमलेश कुमार लंभुआ सुलतानपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत किंदीपुर (कयामुद्दीनपुर) हत्या कांड 14 सितम्बर 2025 में हुए चर्चित हत्या कांड के बाद पीड़ित परिवार के बेसहारा बच्चों की मदद के लिए समाजसेवी और जनप्रतिनिधि आगे आ रहे हैं। बीते दिनों महेश की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी पूजा और उसके प्रेमी जयप्रकाश यादव उर्फ डंगर को दोषी पाते हुए गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस घटना के बाद महेश के तीनों छोटे बच्चे और वृद्ध मां पूरी तरह असहाय हो गए। ऐसे में क्षेत्राधिकारी लंभुआ अब्दुस सलाम खान और समाजसेवी अंकित कोरी ने सबसे पहले इन बच्चों की मदद का संकल्प लिया। इसी क्रम में रविवार को लंभुआ की पूर्व जिला पंचायत सदस्य रोहिणी पटेल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को कपड़े और बीस हजार रुपये का चेक प्रदान कर आर्थिक सहयोग दिया। रोहिणी पटेल ने कहा कि वह इन बच्चों की मदद के लिए निरंतर तत्पर रहेंगी। उन्होंने जिले के उद्योगपतियों, व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की कि वे आगे बढ़कर सहयोग करें, ताकि इन बच्चों का मनोबल बढ़े और उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।यह कदम न केवल मानवता की मिसाल है बल्कि पुलिस और समाज के बीच आपसी सहयोग की नई पहल भी साबित हो रहा है।

पूर्व विधायक संतोष पांडेय के पिता के निधन पर शोक की लहर, भदैयां आवास पर भारी पुलिस बल तैनात

लंभुआ गौड़ की आवाज विमलेश कुमार सुलतानपुर 190 विधानसभा लंभुआ के पूर्व विधायक एवं भदैया निवासी संतोष पांडेय के पिता श्री रामचन्द्र पांडेय जी के निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे 85 वर्ष के थे और उन्होंने आज सुबह अंतिम सांस ली।उनके निधन की सूचना मिलते ही श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता भदैया स्थित उनके आवास पर लग गया। जनप्रति निधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।भदैया आवास पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि भीड़ नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन ने ट्रैफिक को भी सुचारु रूप से संचालित करने हेतु विशेष प्रबंध किए हैं। पूर्व विधायक संतोष पांडेय इस दुखद घड़ी में पूरे परिवार के साथ शोकाकुल हैं। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

सीएचसी बना जुआरियों का अड्डा, मरीज परेशान सरकार और स्वास्थ्य मंत्री पर उठ रहे सवाल

लम्भुआ गौड़ की आवाज विमलेश सुल्तानपुर तहसील मुख्यालय अंतर्गत मामला सीएचसी लम्भुआ का है, जहां कुछ दिन पूर्व में समाजसेवी कृष्ण कुमार यादव की सजगता से आवाज उठाने पर गटर में मिला था दवाइयों का ढ़ेर वहीं अब जुआ खेलते हुए नजर आ आए स्वास्थ्य कर्मचारी।हाल ही में सुल्तानपुर के एक प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लम्भुआ में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। यह केंद्र अब जुआरियों का अड्डा बन गया है, जहां सरकारी कर्मचारी डाक्टर राम संजीवन एक्स रे विभाग के अशोक कुमार स्वीपर अजमल व बाहर के प्राची मेडिकल स्टोर के संचालक चंद्र शेखर त्रिपाठी और अन्य लोग जुआ खेलते हुए पाए गए। सीएचसी की स्थिति तो यूं है कि जब कुछ दिन पहले इसी सीएचसी के परिसर में गटर से दवाइयाँ बरामद की गई थीं, जिसकी आवाज समाजसेवी कृष्ण कुमार यादव ने उठाया था,जो स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर करती हैं। जिसकी जांच की गई तो मामला सच निकला लेकिन कोई कठोर कार्रवाई न की गई और अब हाल यूं हैंध कि जुआरियों का अड्डा बन गया है स्वास्थ्य केंद्र और उसमें जिम्मेदारान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी शामिल हैं स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह सीएचसी अब एक अराजकता का गढ़ बन चुका है। जहां पहले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए थीं, वहीं अब यह अस्पताल जुआ और अव्यवस्था का केंद्र बन चुका है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के अंदर और आसपास जुआ खेलने के लिए एक गुप्त स्थान बनाया गया है, जहां पर स्वास्थ्य कर्मी और स्थानीय लोग खुलेआम जुआ खेलते हैं,नशा करतें हैं, शराब और सिगरेट की डिब्बों भी इधर उधर बड़ी मात्रा में पड़े दिखाई दिए।इससे अस्पताल का माहौल भी प्रभावित हो रहा है, और मरीजों के इलाज में देरी हो रही है।ध लगभग 200 से 250 मरीज प्रतिदिन ईलाज के लिए आते हैं लेकिन वो असंतुष्ट होकर निराश मनध सेध वापस चलें जाते हैं औरघ्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने को मजबूर हैं।यह घटनाएं एक के बाद एक सामने आई हैं, जब कुछ दिन पहले अस्पताल परिसर के गटर में बड़ी मात्रा में दवाइयाँ पाई गईं। इन दवाइयों का समय पर वितरण नहीं हुआ और उन्हें गटर में फेंक दिया गया,जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली में गंभीर खामियां हैं। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर किया और अब यह सवाल उठने लगे हैं कि सरकार और स्वास्थ्य मंत्री इस पर कब कार्रवाई करेंगे। पूर्व में स्वास्थ्य के छापामार मंत्री बृजेश पाठक भी कर चुके हैं निरीक्षण, मंत्री जी की स्वास्थ्य विभाग को लेकर की गई बड़ी बड़ी बातें कितनी सच हैं आप खुद देख सकते हैं। कभी आपने अस्पतालों में बेड पर कुत्ते की खबर सुनी होगी, लापरवाही से जानध जाने, बाहर की दवा लिखते, डिलिवरी हेतु प्राइवेट अस्पतालों में रिफर करतेध , गलत आपरेशन करने समेत अन्य मामले देखे होंगे लेकिन अस्पतालें अब तो जुआरियों का अड्डा भी बनध गई हैं। स्थानीय नेताओं और समाजसेवियों ने अब इस मुद्दे पर सरकार और स्वास्थ्य मंत्री से जवाब तलब किया है। उनका कहना है कि अगर सीएचसी जैसे स्वास्थ्य केंद्रों में इस प्रकार की अव्यवस्था चल रही है, तो आम जनता को कैसी स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही होंगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्ष लगातार सवाल उठाते रहते हैं। यह सरकार की घोर लापरवाही का उदाहरण है। एक तरफ सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं का ढिंढोरा पीट रही है, दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में इस तरह की गड़बड़ियाँ हो रही हैं।यदि इस स्थिति को तुरंत ठीक नहीं किया गया तो जनता का विश्वास सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से उठ सकता है।इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर दबाव बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सीएचसी जैसी घटनाओं की जांच गहराई से नहीं की जाती, तो यह पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर असर डाल सकता है।अब देखना होगा कि सरकार और स्वास्थ्य मंत्री इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाते हैं और क्या इसे समय रहते सुध ारने में सफल हो पाते हैं, या फिर वही कागजी कार्रवाई कर मामले कोध रफा दफा कर देंगे।

सरस्वती विद्या मन्दिर विवेकानन्द नगर में हिन्दी दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गौड़ की आवाज ब्यूरो सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानंद नगर में हिन्दी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रों ने काव्य रचना,सुलेख,निबन्ध लेखन तथा अन्त्याक्षरी आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि १९४९ में ही १४ सितम्बर के दिन हिन्दी को राजभाषा तो घोषित कर दिया गया, किन्तु दक्षिण के कुछ राज्यों के विरोध के चलते अभी भी हिन्दी को उसकी प्रतिष्ठा के अनुरूप राष्ट्रभाषा का दर्जा न मिल सका। यद्यपि भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृ भाषा को महत्व प्रदान कर इस दिशा में कई सकारात्मक कदम उठाये हैं। कार्यक्रम को उपप्रधानाचार्य रवीन्द्र तिवारी जी,हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष आचार्या रंजना पाण्डेय, रमेश मिश्र,महेश कुमार शुक्ल,राजबहादुर शर्मा, ज्योति त्रिपाठी, शशी द्विवेदी,शोभा रानी, सीमा यादव, दुर्गेश पाण्डेय ने भी संबोधित किया। आचार्य देवेन्द्र कुमार पाठक तथा विद्यालय की बहनें आराध्या मिश्रा एवं वैष्णवी ने काव्य पाठ किया।

मां व बेटी के साथ गई युवती को लेकर गई रिश्तेदारी,खुद तो लौटी नहीं लौटी युवती,केस दर्ज

गांव की ही मां व बेटी गांव की एक युवती को लेकर रिश्तेदारी गई थी लेकिन जब युवती नहीं लौटी तो युवती की मां ने थाने पर तहरीर दी, तहरीर पर पुलिस ने मां बेटी के खिलाफ शनिवार की रात आठ बजे अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। बल्दीराय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि गांव की ही मां व बेटी उसकी 21वर्षीय बेटी को लेकर रिश्तेदारी गई थी दो दिन बाद मां बेटी घर लौट आई लेकिन उसकी बेटी घर नहीं आई बेटी के बारे में पूछने पर बाते बना रही है।

जिलाधिकारी के आदेश पर महिला बनवा रही थी घर के सामने रास्ता, विपक्षियों ने महिला के बेटे व बहन की बेटी को पीटा केस दर्ज

जिलाधिकारी के आदेश पर घर के सामने रास्ता बनवा रही महिला के बेटे व बहन की बेटी को विपक्षियों ने घर में घुस कर मारापीटा, तहरीर पर पुलिस ने विपक्षियों पर रविवार की सुबह आठ बजे मुकदमा दर्ज कर लिया है। बंधुआ कला थाना क्षेत्र के चकौदी गांव निवासी राजिया बानो ने थाने पर तहरीर दी है। उसने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर वह शनिवार को घर के सामने रास्ता बनवा रही थी तभी शाम साढ़े चार बजे विपक्षी सलमान, अरमान, इमरान तौहीद, मुकसीद व अरबिया उसके घर में गाली गलौज देते हुए घुस गए। इस दौरान उक्त लोगो ने उसके बेटे व बहन की बेटी की पिटाई करने लगे। पिटाई में उसके बेटे का सिर फट गया वह बेहोश हो गया हल्ला गुहार पर ग्रामीणों को आता देख उक्त लोग भाग निकले।

धनपतगंज के भीखरपुर गांव में खेत में गाय जाने से विपक्षियों ने किया लाठी डंडे से हमला, केस दर्ज

धनपतगंज के भीखरपुर गांव में खेत में गाय जाने से विपक्षियों ने युवक पर लाठी डंडे से हमला बोल दिया, लोगो को आता देख जान से मारने की धमकीं देते हुए चले गए, पुलिस ने तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ रविवार की सुबह सात बजे मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव निवासी राजकुमार ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि शनिवार की शाम छह बजे उसकी गाय कृष्ण कुमार के खेत में चर रही थी। तभी कृष्ण कुमार, शिवा और मनीष ने उस पर लाठी डंडे से हमला बोल दिया। हल्ला गुहार पर लोगों को आता देख उक्त लोग जान से मारने की धमकीं देते हुए चले गए।

हलियापुर के फत्तेपुर में तीन भाइयों ने पुरानी रंजिश में भाई बहन पर लोहे की रॉड व कुल्हाड़ी से किया हमला, केस दर्ज

हलियापुर के फत्तेपुर गांव में तीन भाइयों ने पुरानी रंजिश के चलते शनिवार की शाम भाई बहन पर लोहे की रॉड व कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया, तहरीर पर पुलिस ने रविवार की सुबह आठ बजे तीनों भाइयों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव निवासी संदीप कुमार ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पुरानी रंजिश के चलते शनिवार की शाम छह बजे विपक्षी अलगू, राम सागर व नत्था राम उसके घर में घुस गाली गलौज देते हुए उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बीच बचाव में आई उसकी बहन सोनी पर कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। हल्ला गुहार लगाने पर उक्त लोग धमकी देते हुए भाग गए। तीनों भाइयों के हमले से उसे व उसकी बहन को गंभीर चोट आई है।

मां की पिटाई से नाराज किशोरी ने पापरघाट नदी में छलांग लगाई खोजबीन में जुटे एसडीआरएफ

गोसाईगंज गौड़ की आवाज ब्यूरो सुल्तानपुर गोमती नदी के पापर घाट पर बने पुल की रेलिंग पड़कर खड़ी किशोरी अचानक नदी में गिर गई। हल्ला गुहार के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस में स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की है। थाना क्षेत्र के पापर घाट पर बने पुल पर रविवार सुबह का मामला है जहां पर गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासिनी आराध ना पुत्री विनोद निषाद उम्र करीब 15 वर्ष शौच के लिए नदी की तरफ अपनी छोटी बहन अंशु के साथ गई थी। माधुरी ने बताया कि वह रेलिंग पड़कर नदी की तरफ झांक रही थी। मेरी दूसरी बेटी ने जब मुझे यह बताया तो मैं तुरंत मौके पर पहुंची मैंने उसे पकड़ कर खींचना चाहा तो उसका कपड़ा फट गया और वह नदी में गिर गई। इसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई डायल 112 से पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही डायल 112 के साथ गोसाईगंज पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से किशोरी की खोजबीन जारी है खबर लिखे जाने तक किशोरी का कुछ पता नहीं चल सका है। मौके पर एसडीआरएफ अयोध्या घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन जुटी हुई है नायाब तहसीलदार जयसिंहपुर रूबी यादव मौके पर मौजूद है आपको बता दें कि किशोरी तीन भाई व 6 बहनों में सबसे बड़ी थी घटना के बाद से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है।पिता विनोद कुमार अयोध्या में प्राइवेट नौकरी करते हैं सूचना मिलते हैं दोपहर घर पर पहुंचे हैं

नेनुआ तोड़ने छत पर चढ़ी जेठानी की मौत,देवरानी गंभीर

गोसाईगंज गौड़ की आवाज सुलतानपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला शनिवार को घर के पास स्थित पड़ोसी के मकान के छत पर उगी सब्जी तोड़ने गई थी ।इसी बीच सब्जी तोड़ने के दौरान ही रेलिंग टूटने से चपेट में आकर साथ रही दूसरी महिला समेत दोनों गंभीर रूप से नीचे गिरकर घायल हो गई।आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया ।जहां मौजूद चिकित्सक ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया।जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है गोसाईगंज थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासिनी सारो मिश्र पत्नी स्व. दिनेश मिश्र और सुरेखा पत्नी राजेश मिश्र शनिवार को घर से सटे पड़ोसी के छत पर उगी सब्जी को देवरानी सुरेखा के साथ तोड़ रही थी।सब्जी तोड़ने के दौरान अचानक देवरानी , जेठानी रेलिंग टूटने से नीचे जमीन पर गिरकर घायल गई।तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे।और रेलिंग के मलबे में दबी जेठानी,देवरानी के ऊपर से मलबा हटाकर बाहर निकाला।और आनन फानन में इलाज के लिए सुल्तानपुर जिला मेडिकल कालेज ले गए।जहां इलाज के दौरान देर शाम सारों पत्नी स्व.दिनेश (55) वर्ष की मौत हो गई।जबकि सुरेखा (45)वर्ष का इलाज चल रहा है।घटना के बाद से मृतका के पांच संतानों बेटी नंदनी मिश्र (32),सपना मिश्रा(29)(विवाहित) रूबी(26)वर्ष, धीरज (25)सूरज मिश्र(23)वर्ष समेत अन्य परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।मिश्रौली निवासिनी मृतक महिला के पत्नी दिनेश मिश्रा की 10 साल पहले की मौत चुकी थी।नेनुआ तोड़ने के दौरान घायल महिला की मौत के बाद के पांच बच्चों के सिर से सदा सदा के लिए माता–पिता का साया छिन गया। मृतका के तीन बच्चों की अभी शादी नहीं हुई है। दोनों बेटे धीरज और सूरज परदेश में प्राइवेट नौकरी कर बहन रूबी के शादी की तैयारी के साथ परिवार का खर्च चला रहे है । घटना से समूचे परिवार में मातम छाया हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष मंडल में 12 अक्टूबर को होगा पद संचलन कार्यक्रम

सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ का शताब्दी वर्ष मनाया जाएगा। इसी क्रम में बंधुआकला मंडल में पद संचलन का भव्य कार्यक्रम 12 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर श्री महावीरन मंदिर, हसनपुर में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के जिला सहसंचालक अजय गुप्ता, खंड कारवां मनोज कुमार, विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा प्रमुख चंदन तिवारी (धनंजय भैया), मंडल कारवां संयोजक ओमप्रकाश मिश्रा, नीलमणि, जितेन्द्र कसेरा, दुर्गेश तिवारी, राजेंद्र गुप्ता, सुरेश शर्मा, पवन कौशल, वेद प्रकाश गुप्ता, विनय मिश्रा, सत्येंद्र गुप्ता, शिवम मिश्रा, अवधेश मिश्रा, अरुण सुनीलध्रुवीय, संतोष, गनी, विनय जायसवाल समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

एक नजर

ग्राम प्रधान की मिली भगत से कट रहा है पेड़ पीड़ित का आरोप

चांदा गौड़ की आवाज विमलेश कुमार लंभुआ सुलतानपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सेमरी कला निवासी जयराम निषाद ने बताया कि मेरा चिलबिल का पेड़ गांव के ही ग्राम प्रधान सतीश ने पुलिस की मिलीभगत से कटा ले रहे हैं। विरोध करने पर पुलिस ने पेड़ मालिक के परिवार को ही थाने ले जाकर बैठा दिया है। जबकि जिस जमीन में चिलबिल का पेड़ है उस जमीन की धारा 24 के तहत पैमाईश भी हुई जिसमें चिलबिल का पेड़ मेरे ही जमीन में ही पाई गई। जिसकी शिकायत पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से की है।

तीन दिन पहले लापता महिला का शव चौथे दिन गोमती नदी से बरामद, परिजनों में मचा कोहराम

गुरुवार को रिश्तेदारी के लिए निकली लाला का पुरवा मजरे इसौली की लापता महिला का शव चौथे दिन गोमती नदी से रविवार की सुबह आठ बजे को बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार गुरुवार को घर से इसौली गांव में रिश्तेदारी जाने के लिए निकली लाला का पुरवा निवासी साधुराम सोनकर की पत्नी मोनिका सोनकर 35 वर्ष कहीं लापता हो गई थी जिसकी गुमशुदगी की तहरीर साधुराम सोनकर नेस्थानीय थाने पर दर्ज कराई थी जिसकी खोज में स्थानीय पुलिस जुटी हुई थी।इसी बीच रविवार सुबह मृतका के घर से लगभग बारह किलोमीटर दूर थाना क्षेत्र की वल्लीपुर चौकी अंतर्गत मिठनेपुर गांव के पास मछली पकड़ रहे स्थानीय ग्रामीणों ने गोमती नदी में उतराता हुआ महिला का शव दिखाई पड़ा। जिसकी सुचना ग्रामीणों ने तत्काल स्थानीय चौकी पर दी।थाना प्रभारी नारद मुनि सिंह ने बताया कि लापता हुई महिला का शव नदी से बरामद हुआ है परिजनों ने पहचान कर ली है विधिक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन सदर विधायक ने किया शुभारंभ, २४ घंटे मिलेगी सुविधा

गोसाईंगंज गौड़ की आवाज सुल्तानपुर इको प्लग एनर्जी इंडिया लिमिटेड ने गोसाईंगंज थाना के बगल जिले का पहला इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग शोरूम शुरू किया गया है। यहां इलेक्ट्रिक बाइक, रिक्शा और कारों की चार्जिंग की चौबीसों घंटे सुविधा उपलब्ध रहेगी।रविवार को दोपहर एक बजे सदर विधायक राज प्रसाद उपाध याय ने फीता काटकर इस चार्जिंग स्टेशन का शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है। प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इस तरह के चार्जिंग स्टेशन ग्रामीण इलाकों में भी बड़ी राहत देंगे और रोजगार के अवसर भी बढ़ाएंगे।इको प्लग एनर्जी इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य है जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना और चार्जिंग की समस्या को दूर करना है। इसके लिए आगे भी कई स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन खोले जाएंगे।इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी, अयोध्या प्रसाद मिश्रा, भानु प्रताप मिश्रा, राम बहादुर वर्मा, वंश बहादुर, राजेंद्र उपाध्याय, गुड्डू उपाध्याय, वितबारी विनय समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

युवक ट्रेन की चपेट में आने से हुई दर्दनाक मौत

कोतवाली नगर गौड़ की आवाज सुल्तानपुर ट्रैक पार कर रहा युवक ट्रेन की चपेट में आने से हुई दर्दनाक मौत हादसे के बाद मौके पर मच गई अफरा–तफरी, जीआरपी ने भेजा पोस्टमार्टम रविवार की सुबह आठ बजे ट्रैक पार कर रहा युवक ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे जीआरपी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान इकबाल अहमद (35) पुत्र हामिदउल्लाह निवासी घोसीयाना, पलटू का पुरवा, थाना कोतवाली नगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह किसी काम से रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी अचानक गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का सिर धड़ से अलग हो गया।सूचना पर जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना अचानक हुआ कि बचाव का कोई मौका ही नहीं मिला।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, वांछित छह अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बल्दीराय गौड़ की आवाज सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक के दिशा–निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक तथा क्षेत्राधिकारी बल्दीराय के मार्गदर्शन में थाना धनपतगंज पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। विभिन्न आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में मो. हासिम (72) व उसका पुत्र मो. अलिम (32), निवासी ग्राम कुट्टा, थाना धनपतगंज, एक पुराने मारपीट और धमकी देने के मामले (धारा 323, 504, 506 भा.दं.वि.) में वांछित थे। इसी तरह सुक्खू (50) एवं माता प्रसाद (72), निवासीगण पियरापार मायंग, थाना धनपतगंज, तथा हरिप्रसाद (70), निवासी मायंग, थाना धनपतगंज, चोरी और माल छुपाने के गंभीर मामलों (धारा 379, 411 भा.दं.वि.) में पीपरपुर थाना, अमेठी के वांछित अभियुक्त थे। वहीं फुलचन्द्र वर्मा, निवासी सेवरा, थाना धनपतगंज, को बल्दीराय थाना क्षेत्र में दर्ज घर में घुसकर चोरी के मामले (धारा 457, 380, 411 भा.दं.वि.) में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद, उ0नि0 अजय कुमार शुक्ला, का0 अश्वनी मिश्रा, हे0का0 महेश कुमार, का0 मंगल सिंह यादव, एवं का0 सुनील पटेल की सक्रिय भूमिका रही। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव धनपतगंज ने बताया कि यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। सभी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

एक नजर

गैंगेस्टर के वांछित को कोर्ट से जारी वारंट पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयसिंहपुर गौड़ की आवाज ब्यूरो सुलतानपुर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। जयसिंहपुर कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित अपराधी श्रीकांत ओझा को गिरफ्तार किया है।श्रीकांत ओझा के खिलाफ स्पेशल जज गैंगस्टर एक्टध्एएसजे 03 की अदालत से गिरफ्तारी वारंट जारी था। यह मामला एनबीडब्लू केस से जुड़ा है।आरोपी पर धारा 379, 411, 307 भादवि और 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज है।गिरफ्तार आरोपी श्रीकांत ओझा थाना क्षेत्र के पदारथपुर गांव का रहने वाला है। वह संगमलाल ओझा का पुत्र है।थाने के उप–निरीक्षक नफीसउद्दीन खां और कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार की पुलिस टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया।यह कार्रवाई सुलतानपुर के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। इस अभियान में एनबीडब्लू और वांछित अपराधियों को पकड़ने का काम किया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

चोरी की बाइक,मोबाइल और अवैध असलहे के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार,भेजा जेल

जयसिंहपुर गौड़ की आवाज ब्यूरो सुलतानपुर जिले की पुलिस ने जयसिंहपुर थाना क्षेत्र में एक सफल कार्रवाई की है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के निदूरा गांव के पास सर्विस लेन से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुफरान अली और रितिक सोनी के रूप में हुई है। दोनों विरसिंहपुर गांव के रहने वाले हैं।गुफरान अली से पुलिस ने एक देशी तमंचा 12 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। रितिक सोनी के पास से चोरी किया गया ग्रे कलर का च्ळ्ब् 5ळ मोबाइल मिला है। इसके अलावा एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (UP44BR4868) भी बरामद की गई है। दोनों की तलाशी में एक रेडमी और एक रियलमी मोबाइल फोन भी मिले हैं।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। थाना जयसिंहपुर की पुलिस टीम ने 13 सितंबर को रात 9:20 बजे यह कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम ने यह सफल कार्रवाई की।दोनों आरोपियों पर मुकदमा संख्या 351/25 के तहत धारा 303(2)/317(2) बीएनएस और 3/25 आयुध अधिनियम में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाही के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया है।

आयुष्मान आरोग्य भव मेले में २८९ मरीजो का हुआ निशुल्क स्वास्थ परीक्षण,दी गई दवाएं

जयसिंहपुर गौड़ की आवाज सुलतानपुर विकास क्षेत्र के संबंधित स्वास्थ केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आयुष्मान जनआरोग्य भव मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आने वाले कुल 289मरीजो का निशुल्क स्वास्थ परीक्षण कर उन्हें दवाई दी गई। जयसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र से संबंधित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरी पीएचसी, बेलहरी स्वास्थ केंद्र,जासापारा स्वास्थ्य केंद्र और हयातनगर में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य भव के मेले का आयोजन किया गया।चिकित्सा अधीक्षक सुरेन्द्र पटेल, नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह की देखरेख में डा.गौरव, डा. अनुकंपा, डा.राजेश, डा.मानिकचन्द्र ,महिला चिकित्सक डा. भगवंती व अन्य स्वास्थ कर्मियो ने आयुष्मान जन आरोग्य भव मेले में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं दी, जिसमें बेलहरी स्वास्थ केंद्र पर 91मरीज, जासापारा स्वास्थ केंद्र पर 67मरीज, सेमरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र पर 70मरीज, और हयातनगर स्वास्थ केंद्र पर कुल 61मरीजों का निशुल्क स्वास्थ परीक्षण कर उन्हें मुफ्त में दवाई दी गई। चिकित्सीय टीम ने मेले में आने वाले मरीजों को सर्दी, खांसी, बुखार,टायफाइड , पेट की बीमारियों और गर्मी में लू से बचाव के प्रति जागरूक किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में आए मरीजों का निशुल्क स्वास्थ परीक्षण कर उन्हे मुफ्त में दवाएं दी गई।

बुजुर्ग के प्रांगण में तहसील स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

गौंड कि आवाज संवाददाता देवरिया प्रतापपुर, देवरिया रविवार तहसील क्षेत्र भाटपाररानी के बापू कृषक इंटर कालेज, कड़सड़वा बुजुर्ग के प्रांगण में तहसील स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील के दर्जनों विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन जिला क्रीड़ा प्रभारी विपिन यादव एवं बापू कृषक इंटर कालेज के क्रीड़ा अध्यापक सुधांशु राय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में विजयी पहलवानो को विद्यालय प्रबंधक हरिचरन सिंह कुशवाहा व त्रिपुरायक विश्वकर्मा मंडल प्रभारी पड़री के द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। विजयी छात्रों में 17 वर्ष बालक, 45 से 48 वजन में प्रिंस कुमार पुत्र सरदानंद बैठा, 48 से 51 वजन में भीष्म कुमार शाह पुत्र बाबूलाल शाह, 55 से 60 वजन में रितेश कुमार सिंह पुत्र रामप्रकाश कुशवाहा, 60 से 65 वजन में अरमान अंसारी पुत्र हफिज अंसारी ये सभी बापू कृषक इंटर कालेज कड़सड़वा बुजुर्ग,के विजयी हुए। 19 वर्ष में 57 से 60 के वजन में सूरज कुमार पुत्र काशी नाथ प्रसाद, 14 वर्ष में 44 से 48 वजन में सुमित कुमार पुत्र जितेंद्र सिंह, 48 से 52 वजन में अनूप कुमार पुत्र उदय भान गोंड, बापू कृषक इंटर कालेज कड़सड़वा बुजुर्ग से, 57 से 62 वजन में राज साहनी पुत्र भीम साहनी वी एन इंटर कालेज मझोली विजयी हुए। ये सभी छात्र 17 सितंबर 2025 को जिला स्तर कि प्रतियोगिता में भाग लेने के चयनित हुए है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 17 सितंबर को सुभाष इंटर कालेज भटनी में सम्पन्न होगा होगा। इस मौके पर प्रधानाचार्य विनय पाण्डेय, डॉ संतोष गुप्ता, सुधीर पाण्डेय, अवधेश कुशवाहा, रामप्रकाश द्विवेदी क्रीड़ा अध्यापक बखरी, जीतेन्द्र यादव क्रीड़ा प्रभारी मझौली, सत्यम मिश्रा क्रीड़ा प्रभारी भटनी, राजबंशी पटेल, शशिचंद्र पाण्डेय क्रीड़ा प्रभारी गाढ़ा, बाल्मीकि जी, सरोज क्रीड़ा प्रभारी पकड़ी बाबू सहित सैकड़ो दर्शक उपस्थित रहे।

धरना के बाद पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

गोसाईगंज जयसिंहपुर गौड़ की आवाज ब्यूरो सुलतानपुर जिले की थाना क्षेत्र के चौथाई का पुरवा सरवन निवासी कक्षा सात के छात्र की सात दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शनिवार को मृतक छात्र की बहन और मौसी ने ग्रामीणों के साथ द्वारिकागंज चौकी के सामने रोड जामकर मौत के खुलासे को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद बैकफुट पर आई पुलिस ने देरशाम को पिता की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया।सरवन निवासी सहजराम के अनुसार आठ सितंबर सुबह घर के अंदर उनके पुत्र किशन का शव बल्ली के सहारे रस्सी से लटकता पाया गया था। घटना के बाद आशंका व्यक्त करते हुए सहजराम ने अच्छेलाल, गुड्डू और रज्जू के ऊपर हत्या का आरोप लगाया था।नौ सितंबर को शव के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस परिजनों को लेकर थाने लाई। जहां पर पुलिस और एसओजी टीम ने पिता, सौतेली मां नीतू,सगी बहन आशा, सौतेली बहन पारो और पारो के पति से एक–एक कर पूछताछ की थी। घटना का खुलासा न होने पर शनिवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे मृतक की सगी बहन आशा और मौसी निर्मला ने ग्रामीणों के साथ द्वारिकागंज चौकी के सामने अयोध्या प्रयागराज हाइवे पर रोड जाम कर प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस बैकफुट पर आ गई। शनिवार देरशाम को पुलिस ने मृतक छात्र के पिता सहजराम की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। सहजराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उसका पड़ोसियों से विवाद चला आ रहा है। सहजराम ने आशंका व्यक्त करते हुए तीन पड़ोसियों पर हत्या और साजिश रचने का मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय ने बताया सहजराम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच कर जल्द घटना का खुलासा किया जायेगा।

मॉरीशस के पीएम का सीएम योगी ने किया रेड कारपेट वेलकम,राम मंदिर में किया दर्शन-पूजन

अयोध्या।गौड़ की आवाज मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम अपने 30 सदस्यीय मंत्रियों–परिजनों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शुक्रवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचे।एयरपोर्ट पर ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मॉरीशस के पीएम का स्वागत किया।योगी सरकार की ओर से जिला प्रशासन ने मॉरीशस के पीएम का रेड कारपेट वेलकम किया।वाराणसी से मॉरीशस के पीएम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या दोपहर सवा बारह बजे पहुंचे।एयरपोर्ट पर ही उनको अयोध्या की संस्कृति से रूबरू कराया गया।भव्य स्वागत के बाद डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम पत्नी वीणा रामगुलाम और मंत्रियों– परिजनों के साथ राम मंदिर के लिए रवाना हुए। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनका काफिला 20 मिनट में राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश कर गया।राम मंदिर में रामलला की पूजा–अर्चना के बाद मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र और उनके प्रतिनिधि मंडल ने राम दरबार में भी पूजा अर्चना की। अयोध्या राम मंदिर निर्माण की अद्यतन जानकारी लेने के बाद डॉ. नवीन चंद्र कुबेरेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में ही कुबेर टीला पर बने भगवान शिव के मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद डॉ. नवीनचंद्र वापस एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।इस बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर में ही उनके अल्पाहार की भी व्यवस्था की थी।अयोध्या एयरपोर्ट पर नवीनचंद्र रामगुलाम को विदा करने के बाद सीएम योगी वापस अयोध्या धाम पहुंच गए।सीएम योगी हरि गोपाल ध ाम में स्वामी हर्याचार्य की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंच गए।

बुलेट सवार युवक को डायल११२ की वाहन ने धक्का मारा,युवक गम्भीर रूप से घायल

दर्द से तड़पते छोड़ फरार हुए डायल 112 के सिपाही, रुकना भी मुनासिब नह समझा

गौड़ की आवाज उमेश कुमार सिंह जौनपुर पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए होती है अगर वही किसी के जान का कारण बन जाय तो यह चिंतनीय विषय है।कुछ ऐसा ही मामला शाहगंज नगर के खुटहन मार्ग पर दिखा जहां पुलिस संवेदनहीनता देखने को मिला।रविवार की सुबह प्रतापगढ़ जनपद के ग्राम समोग्रा पट्टी निवासी रविनाथ मौर्य पुत्र बद्रीनाथ अपने भाई के एडमिशन के सिलसिले क्षेत्र के कलान स्थित एक स्कूल में अपने बुलेट वाहन से आया था।एडमिशन की औपचारिकता पूरी करने के बाद वह अपने घर जा रहा था की रास्ते मे नगर के खुटहन रोड स्थित सत्यप्रेम हास्पिटल के पास ही पहुंचा था की विपरीत दिशा से आरही तेज रफ्तार डायल 112 के पुलिस वाहन ने उक्त बुलेट सवार को धक्का मारते हुए आगे निकल गया।जिससे युवक बुलेट सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया औए बुलेट भी क्षतिग्रस्त हो गयी।सोचने वाली बात यह है पुलिस वाहन मौके पर रुका भी नही की घायल को अस्पताल पहुंचा दे।बल्कि संवेदनहीनता दिखाते हुए फरार हो गया।किसी तरह स्थानीय लोगों ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

डॉ राज बहादुर राना को मिली विश्व हिंद रत्न मानद उपाधि

गौरवशाली विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता 2025 का आयोजन

सुलतानपुर गौड़ की आवाज हिंदी दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक महत्व की गौरवशाली विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता 2025 का आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल की सम्मानित साहित्यिक संस्था द्वारा कराया गया जिसमें डॉ राज बहादुर राना को विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।विश्व विख्यात साहित्यिक संस्था– शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल के सौजन्य से देव नागरी लिपि संरक्षण, हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार, नेपाल भारत के बीच संबंध का विकास एवं साहित्यिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी दिवस 14सितम्बर को अंतरराष्ट्रीय पटल पर विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता आयोजित की गयी। हजारों प्रतिभागियों में भाषा,भाव, हिंदी गरिमा के आंकलन पर खरी उतरती डॉ राज बहादुर राना निवासी गांव अमदेवा, जयसिंहपुर, सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश,भारत की कविता को उत्कृष्ट घोषित करते हुए चयनित प्रतिभागियों में शामिल कर संस्था द्वारा राना को विश्व हिंदी रत्न की मानद उपाधि प्रदान की गई। संस्था के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने अवगत कराया कि संस्था निष्पक्ष और निर्विवाद रूप से प्रतिभाओं का सम्मान कर विश्व पटल पर ले जाने के लिए जानी जाती है। श्याम चरित मानस रचनाकार माध ावदास के शिष्य राना पढाघई की अवधि से शिष्यों के लिए गीत रचते रहे।आज वे साहित्यकार, पत्रकार, गीतकार, काव्यकार के रूप में पहिचान बना चुके हैं।इस उपलब्धि पर इनके प्रेरणा श्रोत शिक्षक साहित्यकार सर्वेश कान्त वर्मा सरल ने खुशी जाहिर किया कि ग्रमीणांचल से राना जैसे काव्यकार ने जनपद के साहित्यिक ध्वज को ऊंचाई प्रदान किया है। राना बताते हैं कि साहित्यकार अनिल कुमार वर्मा मधुर, बृजेश कुमार वर्मा, रमेशचंद्र नंदवंशी,का दिशा निर्देश और सहयोग मिलता रहता है तो वहीं पत्रकारिता जगत में वरिष्ठ पत्रकार संजय सिंह, दुर्गा प्रसाद निषाद को श्रेय देते हैं। डॉ राम प्यारे प्रजापति, दिनेश प्रताप सिंह चित्रेश, आशु कवि मथुरा प्रसाद सिंह जटायु का आशीर्वाद यथा समय मिलता रहा है। जनपद को गौरवान्वित करती इस उपलब्धि पर लोक भूषण डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप,पवन सिंह,केशव प्रसाद सिंह, कांति सिंह,कमल नयन कमल जैसे सम्मानित साहित्यकारों के साथ पवन कुमार यादव, लोक गायक छविलाल पाल एवं भूपेंद्र नाथ वर्मा प्रबंधक रामरती कालेज द्वारिकागंज ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किया।

जितिया व्रत पर महिलाओं में दिखा उत्साह निर्जला उपवास के साथ की पूजा–अर्चना

गौड़ की आवाज उमेश कुमार सिंह जौनपुर खेतासराय क्षेत्र में जितिया व्रत धूमधाम से मनाया गया। इस व्रत को जीवित्पुत्रिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र, सुख–समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं।सुबह से ही महिलाओं में व्रत को लेकर उत्साह देखा गया। व्रती महिलाओं ने प्रातःकाल स्नान किया और भगवान जीमूतवाहन की पूजा–अर्चना की। साथ ही निर्जला उपवास का संकल्प लिया। पूरे दिन धार्मिक माहौल रहा। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह बनाकर कथा सुनी व भक्ति गीत भी गाए।व्रत के दौरान महिलाएं पूरे दिन अन्न व जल ग्रहण नहीं करती हैं और संतान के मंगल की कामना करती हैं। व्रत खोलने से पहले महिलाओं ने भगवान को विभिन्न पकवानों का भोग लगाया और फल, साग, पूड़ी, चना, अरवा चावल और अन्य परंपरागत व्यंजनों का प्रसाद बनाया गया।जितिया व्रत धार्मिक आस्था का प्रतीक है और सामाजिक एकता और संस्कृति को जीवंत रखता है। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने परिवार और समाज के साथ मिलकर व्रत का पालन किया और भगवान से अपनी संतान की सुख–समृद्धि की कामना की।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही : थाना प्रभारी

गौड़ की आवाज उमेश कुमार सिंह जौनपुर खेतासराय कस्बे में अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया अथवा अन्य किसी माध्यम से फर्जी अफवाह फैलाता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।इस क्रम में कस्बे के दुकानदार शिवम बिंद (शाहापुर) और वीरेन्द्र कुमार (सरवरपुर, खेतासराय) के कैमरे पुलिस ने जमा करा लिए हैं। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने स्पष्ट किया कि शांति–व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी तरह की अपुष्ट सूचना पर ध यान न दें और अफवाह फैलाने से बचें।

अवकाश प्राप्त शिक्षक भी कैशलेस चिकित्सा से हों लाभान्वित डा.मिथिलेश कुमार सिंह

देवरिया उत्तर प्रदेश की लोकप्रिय सरकार के सहिष्णु एवं उदारमना मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के कैशलेस चिकित्सा की घोषणा अत्यंत ही स्वागत योग्य फैसला है।इसके लिए शिक्षक समुदाय अत्यंत कृतज्ञ है। किंतु यह सुविधा सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी मिले,इसके लिए सभी सेवानिवृत्त शिक्षक अपने लोकप्रिय माननीय मुख्यमंत्री के प्रति अत्यधिक आशान्वित है। चिकित्सीय सुविधा की महती आवश्यकता सेवानिवृत शिक्षकों को सर्वाधिक है।उक्त वक्तव्य अपने संयुक्त बयान में प्रधानाचार्य परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ मिथिलेश कुमार सिंह एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ मधुसूदन मणि त्रिपाठी ने माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए अपील की है।

गौड की आवाज
हिन्दी दैनिक
स्वामी प्रकाशक, मुद्रक बृजेश कुमार गौड़ द्वारा त्रिपाटी प्रिंटिंग प्रेस रागगंज बाजार जनपद अमेठी से मुद्रित एवं ग्राम व पोस्ट वैदहा थाना गोसाईगंज तहसील जयसिंहपुर सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पिनकोड 228119
प्रधान संपादक
बृजेश कुमार गौड़
मो0 9161640328
सहसम्पादक
अजय कुमार पाण्डेय
मो0 9415771057
Email
brijeshgaur1007@gmail.com
सभी खबरों की जिम्मेदारी संबंधित संवाददाता की होगी।
सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
समस्त विवाद सुल्तानपुर न्यायालय के अधीन ही मान्य होंगा